Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-111

M.A. (I Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती।

(*ii*) विज़न—मैत्रेयी पुष्पा।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''आधुनिक कहानी ने परंपरागत ढाँचे को तोड़ दिया है।'' पठित कहानियों के आधार पर समझाइए।

अथवा

कहानी तत्त्वों के आधार पर 'अपराध' कहानी का विवेचन कीजिए।

2. 'विज़न' उपन्यास की संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डॉ. अजय का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'चीफ की दावत' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न' उपन्यास का देशकाल-वातावरण

(ख) डॉ. आभा

(ग) 'विज़न' उपन्यास में अस्पतालों का यथार्थ।

4. ‘विज़न’ उपन्यास का तात्त्विक विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) ‘आदमी का बच्चा’ कहानी में चित्रित अभिजात्य वर्ग की मानसिकता को चित्रित कीजिए।

(छ) ‘अकेली’ कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(ज) ‘गर्मियों के दिन’ के आधार पर वैद्य जी के दैन्य को प्रस्तुत कीजिए।

(झ) ‘कफन’ कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(त) ‘अपना-अपना भाग्य’ कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(थ) गजाधर बाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ‘‘जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारिणी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्तव्यों से छुट्‌टी पा जाती है।’’

अथवा

‘‘माँ सारी दुनिया आज जेट रफ्तार से चल रही है और तुम अभी फैजाबाद पैसेंजर ही बनी हुई हो।’’

(ध) ‘‘बौद्धिक क्षमता और साहसिक व्यवहार का संयोग किसी भी मिशन में अद्‌भूत नतीजे लाता है। यह सुनहरा मौका है, जो अब से पहले न था, अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से हमें आगे आना चाहिए।’’

अथवा

‘‘प्रोफेशन एक है, हुनर एक है, चयन समितियों के रुख लगभग एक से हैं, तभी न साथियों के साथ ऐसा हुआ। क्या जरूरी है कि उसके साथ ऐसा नहीं होगा।’’

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-112

M.A. (I Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेष स्तर

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपा.—डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।
(*ii*) पद्‌मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपा.—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विद्यापति के सौंदर्य चित्रण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विद्यापति के काव्य के भाव पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

2. ''जायसी का 'पद्‌मावत' प्रेम का दिव्य काव्य हैं।''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

महाकाव्यत्व की दृष्टि से 'पद्‌मावत' की समीक्षा कीजिए।

3. विद्यापति की भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रानी पद्‌मावती

(ख) जायसी का प्रकृति-चित्रण

(ग) 'पद्‌मावत' में अलंकार-योजना।

4. '' 'पद्मावत' एक चरित्र-प्रधान काव्य है।''—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) विद्यापति की काव्यकला को समझाइए।

(छ) विद्यापति के काव्य में गीति तत्त्व की विशेषताएँ बताइए।

(ज) विद्यापति के कृष्ण का चित्रण कीजिए।

(झ) ''विद्यापति भाव जगत के अनूठे चित्रकार हैं।''—स्पष्ट कीजिए।

(त) विद्यापति के काव्य में व्यक्त अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

(थ) विद्यापति के काव्य की देन को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''मधुपुर मोहन गेल रे मोरा बिहरत जाती।
गोपी सकल बिसरलनि रे जत छल अहिबाती।''

अथवा

''भनइ विद्यापति सुन बर जोबति एहन जगत नहिं आने।
राजा सिवसंधि रूप नारायण-लखिमा देइ पति भाने॥''

(ध) ''सरवर तीर पदुमिनी आई। खौपा छोरि केस मोकराई॥
ससि मुख अंग मलैगिरि रानी। नागन्ह झाँपि लीन्ह अरघानी॥

अथवा

''पंडित केरि जीभि मुख सूधी। पंडित बात न कहै निबूधी॥
पंडित सुमति देइ पँथ लावा। जो कुपंथ तेहि पंडित न भावा॥''

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-3 विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भरतमुनि का रससूत्र स्पष्ट करते हुए भट्टलोल्लट और अभिनव गुप्त की रसनिष्पत्ति संबंधी व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

2. अलंकार सिद्धांत का स्वरूप समझाइए।

3. रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए साधारणीकरण की अवधारणा विशद कीजिए।

4. रीतिभेद के आधार बताते हुए रीति और गुण का संबंध स्पष्ट कीजिए।

5. ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप और उसका महत्व समझाइए।

6. वक्रोक्ति की परिभाषा लिखते हुए कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार पर प्रकाश डालिए।

7. आचार्य क्षेमेंद्र पूर्व औचित्य विचार का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रस के अवयव

(ख) अलंकार और अलंकार्य

(ग) 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति

(घ) ध्वनि और शब्दशक्ति।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5402]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 4 : विशेषस्तर वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : कबीर ग्रंथावली—संपा. श्यामसुंदर दास।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के सामाजिक विचार सोदाहरण विशद कीजिए।

2. कबीर की भक्ति की विशेषताएँ समझाइए।

3. कबीर की उलटबासियाँ और प्रतीक पद्धति का विवेचन कीजिए।

4. कबीर का विद्रोह सोदाहरण समझाइए।

5. कबीर का कवित्त्व विशद करते हुए उनकी काव्यभाषा का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

6. कबीर के काव्य का भावपक्ष स्पष्ट कीजिए।

7. हिंदी की निर्गुण काव्यधारा में कबीर का योगदान विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''कबीर बादल प्रेम का, हम परि बरष्या आइ।
अंतरि भीगी आत्माँ, हरी भई बनराइ॥''

अथवा

''सुखिया सब संसार है, खावै अरु सौवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रौवै॥''

(ख) ''सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार॥''

अथवा

''बिरहिनि ऊभी पंथ सिरि, पंथी बूझै धाइ।
एक सबद कहि पीव का, कब रे मिलैगे आइ॥''

[5402]-114

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरखंड)

(*ii*) विनयपत्रिका—संपा. वियोगी हरि।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसी की भक्ति पद्धति में सभी रूप पाए जाते हैं—विवेचन कीजिए।

2. 'रामचरितमानस' के महाकाव्यत्व का विवेचन कीजिए।

3. 'रामचरितमानस' में लोक जीवन की अभिव्यक्ति हुई है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. ''हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य में तुलसी का स्थान अनन्यसाधारण है।'' स्पष्ट कीजिए।

5. 'विनयपत्रिका' के वर्ण्य-विषय पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

6. '' 'विनयपत्रिका' में दैन्य-भाव का चित्रण हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए।

7. 'विनयपत्रिका' में तुलसीदास अपने मन को उद्बोधन करते हैं—विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''राम अनंत अनंत गुनानी। जनम कर्म अनंत नामानी।
जल सीकर महि रज गनि जाहीं। रघुपति चरित न बरनि सिराहीं।
बिमल कथा हरिपद दायनी। भगति होइ सुनि अनपायनी।
उमा कहिउँ सब कथा सुहाई। जो भुसुंडि खगपतिहि सुनाई॥

अथवा

''सुमन बाटिका सबहिं लगाई। बिबिध भाँति करि जतन बनाई।
लता ललित बहुजाति सुहाई। फूलहिं सदा बसंत कि नाईं॥
गुंजत मधुकर मुखर मनोहर। मारुत त्रिबिधि सदा बह सुन्दर।
नाना खग बालकन्हि जिआए। बोलत मधुर उड़ात सुहाए॥''

(आ) ''मैं हरि पतित-पावन सुने।
मैं पतित तुम पतित-पावन, दोउ बानक बने ॥१॥
व्याध गनिका गज अजामिल साखि निगमनि भने।
और अधम अनेक तारे जात कापै गने ॥२॥
जाति नाम अजानि लीन्हें नरक जमपुर मने।
दास तुलसी सरन आयो, राखिये अपने ॥३॥''

अथवा

''रघुपति-भगति करत कठिनाई।
कहत सुगम, करनी अपार, जाने सोइ, जेहि बनि आई।
जो जेहि कला-कुसल ताकहँ, सोइ सुलभ सदा सुखकारी।
सफरी सनमुख जल प्रवाह, सुरसरी बहै गज भारी।
ज्यों सर्करा मिलै सिकता महँ, बल तें न कोउ बिलगावै।
अति रसग्य सूच्छम पिपीलिका, बिनु प्रयास ही पावै।''

[5402]-114

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन।

(*ii*) लहरों के राजहंस।

(*iii*) आधे-अधूरे।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. 'लहरों के राजहंस' नाटक की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

3. मोहन राकेश के नाट्य साहित्य का तात्विक विवेचन कीजिए।

4. हिंदी नाट्य परम्परा में मोहन राकेश का योगदान विशद कीजिए।

5. ''आधुनिक युग के टूटते-बिखरे पारिवारिक रिश्तों की दास्ता 'आधे-अधूरे' में अभिव्यक्त हुई है''– स्पष्ट कीजिए।

6. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की ऐतिहासिकता और कल्पनात्मकता का विवेचन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'लहरों के राजहंस' का नंद

(ख) 'आधे-अधूरे' की संवाद-योजना

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' की अभिनेयता

(घ) 'आधे-अधूरे' नाटक के शीर्षक की सार्थकता।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "चलो, मैं स्वयं चलकर ग्राम-भर में इस सौभाग्य की घोषणा करूँगी।"

अथवा

"यहाँ पर सब लोग समझते क्या हैं मुझे ? एक मशीन, जो कि सबके लिए आटा पीस-पीस कर रात को दिन और दिन को रात करती रहती है ?"

(ख) "इसलिए कि थककर आया हूँ। दिन-भर एक मृग का पीछा किया परन्तु वह हाथ नहीं आया। जाने कैसा मायामृग था वह।"

अथवा

"उस मोहरे की बिल्कुल-बिल्कुल जरूरत नहीं है, जो न खुद चलता है, न किसी और को चलने देता है।"

[5402]-114

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर।

(*ii*) बावरा अहेरी।

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नयी कविता के संदर्भ में 'अज्ञेय' के काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. कवि अज्ञेय की काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

3. अज्ञेय के काव्य में अभिव्यक्त दार्शनिकता का विवेचन कीजिए।

4. 'हरी घास पर क्षण भर' की कविताएँ कवि के प्रौढ़ व्यक्तित्व की परिचायक हैं–स्पष्ट कीजिए।

5. 'बावरा अहेरी' की कविताओं की भावगत प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

6. 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं में अज्ञेय की मनुष्य के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त हुई है। स्पष्ट कीजिए।

7. 'बावरा अहेरी' में कवि अज्ञेय ने जीवन की सुख-दु:ख की अनुभूति को गहराई से अभिव्यक्त किया है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''पर मैं—वह भरा हुआ दिल-
क्या मुझे फिर कभी खिलना है ?
जिसमें (यदि) हँसना है
वह भोर ही क्या फिर आएगा ?''

(आ) ''कुहरा झीना और महीन, झर झर पड़े अकासनीम
उजली-लालिम मालती गन्ध के डोरे डालती,
मन में दुबकी है हुलास ज्यों परछाईं हो चोर की
तेरी बाट अगोरते ये आँखें हुई चकोर की।

(इ) ''अगर मैं यह कहूँ—
बिछली घास हो तुम
लहलहाती हवा में कलगी छरहरी बाजरे की ?

(ई) ''इतराया यह मौर ज्वार का क्वाँर की बयार चली,
शशि गगन-पार हँस न हँले क्षेफाली आँसू ढार चली!
नभ से रवहीन दीन बगुलों की डार चली,
मन की सब अनकही रही पर मैं बात हार चली!

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-211

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कोर्टमार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : संपा-मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य-संपा—डॉ. तुकाराम पाटील
डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "'कोर्टमार्शल' नाटक वायुसेना के कानून विभाग का खुला चित्रण है।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रामचंदर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. पठित निबंधों के आधार पर हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की भावात्मकता तथा व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'आम फिर बौरा गए' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

3. 'टॉलस्टाय के तपोवन में' लेखक के अनुभव विशद कीजिए।

अथवा

प्रकृति-चित्रण के परिप्रेक्ष्य में पठित यात्रा-वृत्तों की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक की भाषा-शैली

(ख) 'कोर्टमार्शल' नाटक का कर्नल सूरत सिंह

(ग) 'मेरी जन्मभूमि' निबंध की भाषा-शैली

(घ) 'घर जोड़ने की माया' निबंध का उद्देश्य

(च) सूर्य मंदिरों का सांस्कृतिक परिचय

(छ) कोल्हाई ग्लेशियर की यात्रा।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) "अन्याय की बात को कभी नहीं फैलने देना चाहिए। उसे हमेशा से बड़े लोग दबाते आ रहे हैं। लेकिन आपको शायद मालूम नहीं कि छोटा अन्याय हमेशा बड़े अन्याय को जन्म देता है।"

(थ) "साधारण मनुष्य के लिए यह समझना बड़ा कठिन है कि कब पंडित का शास्त्र उसकी बुद्धि को दबा देता है और कब उसकी बुद्धि शास्त्र को।"

(द) "ज्यों-ज्यों ऊँचे चढ़िए, भेदभाव मिटते जाते हैं। सीमाएँ नष्ट होती जाती हैं, एकरूपता बढ़ती जाती है।"

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-212

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 6 : विशेषस्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास
संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल
(*ii*) रीति काव्यधारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूरदास के काव्य में चित्रित वियोग-वर्णन का विवेचन कीजिए।

2. पठित दोहों के आधार पर बिहारी के काव्य-सौष्ठव को निरूपित कीजिए।

अथवा

बिहारी-काव्य में व्यक्त संयोग और वियोग श्रृंगार का विवेचन कीजिए।

3. रीतिकालीन स्वच्छंद काव्यधारा में घनानंद के काव्य का महत्व बताइए।

अथवा

घनानंद की विरहानुभूति को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूर का वाग्वैदग्ध्य

(ख) सूर के उद्धव

(ग) बिहारी की बहुज्ञता

(घ) बिहारी का नीति-वर्णन

(च) घनानंद का सौंदर्य-चित्रण

(छ) घनानंद की काव्य-भाषा।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) निर्गुन कौन देस को बासी ?
मधुकर ! हँसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी॥
को है जनक जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी ?
कैसो बरन भेस है कैसो केहि रस में अभिलासी॥
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे ! कहैगो गाँसी।
सुनत मौन ह्वै रह्यो ठग्यो सो सूर सबै मति नासी॥

(ख) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परै, स्यामु हरित-दुति होइ॥
सीस-मुकुट कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल।
इहिं बानक मो मन सदा, बसौ बिहारी लाल॥

(ग) चंदहि चकोर करै, सोऊ ससि देह धरै,
मनसा हू ररै, एक देखिबे कौं रहै द्वै।
ज्ञान हूँ तें आगे जाकी पदवी परम ऊँची,
रस उपजावै ता मैं भोगी भोग जात ग्वै।
जान घनआनँद अनोखो यह प्रेम पंथ,
भूले ते चलत रहै सुधि के थकित ह्वै।
बुरो जिन मानौ जौ न जानौ कहूँ सीखि लेहु,
रसना कै छाले परैं प्यारे नेह नाँव छ्वै।

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-213

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : विशेषस्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए।

2. उदात्त की व्याख्या बताते हुए उदात्त सिद्धांत की दृष्टि से लोंजाइनस का योगदान विशद कीजिए।

3. आई.ए. रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद का विवेचन कीजिए।

4. टी.एस. इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा स्पष्ट कीजिए।

5. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद का स्वरूप विशद करते हुए उसका कला के साथ का संबंध समझाइए।

6. आलोचक के गुण बताते हुए समाजशास्त्रीय तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना का स्वरूप समझाइए।

7. प्रतीकवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व एवं सीमाओं की चर्चा कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) त्रासदी विवेचन

(ख) बिंबवाद का महत्त्व

(ग) उत्तर-आधुनिकता

(घ) स्त्रीवादी आलोचना।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5402]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए ।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) गोदान-प्रेमचंद ।

(*ii*) मैला आँचल-फणीश्वरनाथ 'रेणु' ।

(*iii*) राग दरबारी-श्रीलाल शुक्ल ।

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स—ममता कालिया ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उपन्यास और कहानी की तुलना कीजिए।

P.T.O.

2. प्रेमचंदकालीन हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

3. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

4. "'गोदान' भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्यात्मक उपन्यास है।" विशद कीजिए।

5. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'मैला आँचल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

6. 'रागदरबारी' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

7. 'एक पत्नी के नोट्स' के शिल्प-विधान पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रेमचंद पूर्व उपन्यास

(ख) 'गोदान' की संवाद-योजना

(ग) 'राग दरबारी' शीर्षक की सार्थकता

(घ) 'मैला आँचल' का उद्देश्य।

[5402]-214

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र ।

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर ।

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. नाटक की परिभाषाएँ बताते हुए नाटक के स्वरूप एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. भारतेंदु युगीन हिंदी नाटकों के रंगमंच का परिचय देते हुए पारसी रंगमंच की परंपरा का विवेचन कीजिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों की सामान्य प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए।

4. हिंदी के अनूदित नाटकों की परंपरा का सामान्य परिचय दीजिए।

5. नाट्यतत्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

6. अभिनेयता और मंचीयता की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक का विवेचन कीजिए।

7. 'एक सत्य हरिश्चंद्र' नाटक की चरित्रसृष्टि पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नाटक की अन्य साहित्यिक विधाओं से तुलना

(ख) एकांकी के तत्व

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता

(घ) 'कोणार्क' की प्रयोगशीलता।

[5402]-214

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. सरकारी पत्राचार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन कीजिए।

2. कम्प्यूटर का परिचय देते हुए हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर को विशद कीजिए।

3. कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप और विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

4. विज्ञापन लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भाषिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

5. राजभाषा हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

6. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय दीजिए।

7. प्रायोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) व्यावसायिक पत्रलेखन

(ख) ज्ञापन

(ग) सम्पर्क भाषा

(घ) पटकथा लेखन।

[5402]-214

(घ) हिंदी दलित विमर्श एव साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंत्री

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिए—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेंद्र जाधव

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. दलित साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

2. दलित साहित्य के कलापक्ष का विवेचन कीजिए।

3. दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र को विशद कीजिए।

4. परंपरागत साहित्य और दलित साहित्य के साम्य को स्पष्ट कीजिए।

5. 'घुसपैठिए' की भाषाशैली का विवेचन कीजिए।

6. " 'पहला खत' में दलितों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अभिव्यक्त हुआ है।" स्पष्ट कीजिए।

7. 'असीम है आसमाँ' की भाव-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य की उद्‌भव परंपरा

(ख) दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत—कबीर

(ग) ‘दोहरा अभिशाप’ का उद्देश्य

(घ) ‘आवाजें’ का नायक।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-311

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-9 : सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य—I

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्यनाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कामयानी—जयशंकर प्रसाद

(*ii*) दीर्घ कविताएँ—संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iii*) अंधा—युग—डॉ. धर्मवीर भारती

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'कामायनी' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

2. "पुत्री सरोज के असामयिक निधन पर निराला के शोक संतप्त हृदय की संवेदनाएँ 'सरोज स्मृति' में व्यक्त हुई हैं।" विवेचन कीजिए।

अथवा

'असाध्य वीणा' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

3. 'अंधायुग' की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अंधा-युग' काव्यनाटक की अभिनेयता एवं मंचीयता पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' का चिंता सर्ग

(ख) मनु का चरित्र-चित्रण

(ग) 'पटकथा' में युगीन परिवेश

(घ) ब्रह्मराक्षस का आत्म-संघर्ष

(च) 'अंधा-युग' की गांधारी

(छ) 'अंधा-युग' का प्रतिपाद्य।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह,
एक पुरुष, भीगे नयनों से देख रहा था प्रलय प्रवाह।
नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्त्व की ही प्रधानता-कहो उसे जड़ या चेतन।''

अथवा

''सारस्वत-नगर-निवासी हम आये यात्रा करने,
यह व्यर्थ रिक्त-जीवन-घट पीयूष-सलिल से भरने।
इस वृषभ धर्म-प्रतिनिधि को उत्सर्ग करेंगे जाकर,
चिर-मुक्त रहे यह निर्भय स्वच्छंद सदा सुख पाकर।''

(झ) ''रवि निकलता
लाल चिंता की रुधिर-सरिता
प्रवाहित कर दिवालों पर;
उदित होता चन्द्र
व्रण पर बाँध देता
श्वेत-धौली पट्टियाँ
उद्विग्न भालों पर।''

अथवा

भूख और भूख की आड़ में
चबायी गयी चीजों का अक्स
उनके दाँतों पर ढूँढ़ना
बेकार है। समाजवाद
उनकी जुबान पर अपनी सुरक्षा का
एक आधुनिक मुहावरा है।

(ट) ''मर्यादा मत तोड़ो
तोड़ी हुई मर्यादा
कुचले हुए अजगर-सी
गुंजलिका में कौरव-वंश को लपेटकर
सूखी लकड़ी-सा तोड़ डालेगी।''

अथवा

''आज इस पराजय की वेला में
सिद्ध हुआ
झूठी थी सारी अनिवार्यता भविष्य की।
केवल कर्म सत्य है
मानव जो करता है, इसी समय
उसी में निहित है भविष्य
युग-युग तक का !''

Total No. of Questions—8] [Total No. of Printed Page—1

Seat No.	

[5402]-312

M.A. (III Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-10 : विशेष स्तर

(भाषाविज्ञान)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषा की परिभाषा देकर भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार को स्पष्ट कीजिए।

2. भाषा की शाखाओं का सामान्य परिचय लिखिए।

3. स्थान, प्रयत्न और घोषत्व के आधार पर व्यंजन वर्गीकरण कीजिए।

4. स्वनिम के भेदों को विस्तार से लिखिए।

5. रूपिम का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रूपिम भेद को लिखिए।

6. अर्थविज्ञान की परिभाषा देकर शब्द और अर्थ के संबंध को स्पष्ट कीजिए।

7. साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ऐतिहासिक भाषाविज्ञान

(ख) स्वनिम की विशेषताएँ

(ग) आकांक्षा

(घ) अनेकार्थता.

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-11 : विशेषस्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा को स्पष्ट करते हुए उसके काल-विभाजन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आदिकालीन राजनीतिक परिस्थिति

(ख) जैन साहित्य की विशेषताएँ

(ग) विद्यापति।

2. प्रेमाश्रयी काव्यधारा की विशेषताओं का परिचय देते हुए उसमें कवि जायसी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भक्तिकालीन धार्मिक पृष्ठभूमि

(ख) रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ

(ग) मीरा।

3. रीतिकालीन साहित्य पर भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का प्रभाव परिलक्षित होता है—विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रीतिकालीन साहित्यक परिस्थिति

(ख) रीतिकाल के विविध नाम और उसके आधार

(ग) कवि बिहारी।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) रासो काव्य की परंपरा को स्पष्ट करते हुए रासो काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

(*ii*) ज्ञानाश्रयी शाखा की विशेषताओं को लिखते हुए संत कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य की विषयगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) आदिकाल के विविध नामों को लिखिए।

(*ii*) सिद्ध साहित्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) महाकवि सूरदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*iv*) कवि रहीम का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*v*) भक्तिकालीन नीति साहित्य का सामान्य परिचय लिखिए।

(*vi*) रीतिकालीन साहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*vii*) कवि केशवदास का साहित्यिक परिचय लिखिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक** वाक्य में लिखिए :

(*i*) आदिकालीन साहित्य की प्रमुख **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(*ii*) चंदबरदाई के रचनाकार कौन हैं ?

(*iii*) कवि रसखान की **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(*iv*) संत कबीर का **एक** दोहा लिखिए।

(*v*) रीतिमुक्त काव्यधारा के कवियों के नाम लिखिए।

(*vi*) भूषण काव्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**5**

Seat No.	

[5402]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 12 : विशेषस्तर वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचना के उद्देश्य को समझाइए।

2. आलोचना के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट करते हुए आलोचक के गुण को लिखिए।

3. हिंदी आलोचना के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति को विश्लेषित करते हुए हिंदी आलोचना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति को स्पष्ट करते हुए उनके योगदान को समझाइए।

6. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति को स्पष्ट करते हुए उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति को समझाते हुए हिंदी आलोचना में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना की प्रक्रिया

(ख) आलोचना और अनुसंधान

(ग) हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य

(घ) डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति।

[5402]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद का स्वरूप विशद करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. अनुवाद की प्रक्रियागत विभिन्न स्थितियों को स्पष्ट कीजिए।

3. प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के विभिन्न प्रकारों का विवेचन कीजिए।

4. अनुवाद कार्य में लिप्यंतरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आने वाली समस्याओं को समझाइए।

5. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याएँ और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

6. वाणिज्य और व्यवसाय के क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद का स्वरूप एवं आवश्यकता को विशद कीजिए।

7. अनुवादक की योग्यता पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद और रूपविज्ञान

(ख) अलंकारों का अनुवाद

(ग) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता

(घ) कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याएँ।

[5402]-314

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप और कार्य को स्पष्ट कीजिए।

2. भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास और विकास को लिखिए।

3. जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता को लिखिए।

4. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूप स्पष्ट कीजिए।

5. रेडियो की पत्रकारिता और दूरदर्शन की पत्रकारिता-विवेचन कीजिए।

6. माध्यमों की भाषा और ग्रंथ-भाषा के साम्य-वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।

7. प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद को विस्तार से लिखिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लेखन भाषा

(ख) सूचना समाज की अवधारणा

(ग) प्रिंट मीडिया

(घ) वेबसाइट।

Total No. of Questions—**5**]　　　　　　[Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5402]-411

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 13 : सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य—II

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे　　　　　　**पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कितने प्रश्न करूँ' में सीता द्वारा उठाए गए विविध प्रश्नों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य सीता के चरित्र के माध्मय से नारी और पुरुष के संबंधों की एक नई व्याख्या प्रस्तुत करता है।'' स्पष्ट कीजिए।

2. "नागार्जुन की कविता सामाजिक कुरूपता, राजनीतिक अव्यवस्था और धार्मिक अंधविश्वासों पर चुभता हुआ व्यंग्य करती है।" विवेचन कीजिए।

अथवा

नागार्जुन की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

3. "गिरिजाकुमार माथुर आस्था और आशावादी कवि हैं।" पठित कविताओं के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में उनके आसपास के अत्यंत साधारण परिवेश का आत्मीय चित्रण मिलता है।" विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के राम।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की सर्ग योजना।

(2) 'शपथ' कविता का कथ्य।

अथवा

'बादल को घिरते देखा है' की बिंब योजना।

(3) 'गीतफरोश' कविता का व्यंग्य।

अथवा

'टूटने का सुख' कविता की संवेदना।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) नारी को क्या जीवन भर
यों ही पीड़ित होना है !
शंका से ऊपर नर है
नारी को ही रोना है !
क्या मेरी अग्निपरीक्षा
की पुनरावृत्ती चलेगी;
जब जब स्वामी चाहेंगे
पत्नी अपनी बली देगी।

अथवा

"तुम मर्यादा पुरुषोत्तम
तुमने तो दैव न माना;
तुमने तो नियति विजित की
पुरुषार्थ न छोटा जाना !
फिर कैसे जनपद-चर्चा
तुम पर हावी बन बैठी;
या अपने मन की शंका
दुखिया भावी बन बैठी !"

(ख) अभी तो तरुणी हूँ—
चौंकते युवा जन
भिक्षापात्र लेकर जब मैं निकलती
मेरा यह काषाय ....
जाने किस किसको उन्मादित करता
यह मुंडित मस्तक उत्तेजित करता
कलित ललित कवि को

अथवा

कहाँ गिरेंगे ऐटम या हायड्रोजन बम ?
शांत निरीह नगर ग्रामों पर
खेतों-खानों-खलिहानों पर
सुंदर सुभग सृष्टि रचने में व्यग्रव्यस्त बे-भान हजारों दस्तकार पर
शत सहस्र वर्षों की संचित सूझ-समझ के फलस्वरूप उपलब्ध
शिल्प के ललित-अमोलिक चमत्कार पर।

(ग) "लाल पत्थर लाल मिट्टी
लाल कंकड़ लाल बजरी
लाल फूले ढाक के वन
डॉग गाती फाग कजरी
सनसनाती साँझ सूनी
वायु का कठला खनकता
झींगुरों की खंजड़ी पर
झाँझ-सा बीहड़ झनकता॥

अथवा

जी, पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको
पर पिछे-पिछे अक्ल जगी मुझको;
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान।
जी, आप न हों सुनकर जादा हैरान।
मैं सोच-समझकर आखिर
अपने गीत बेचता हूँ;
जी हाँ हुजूर, मैं गीत बेचता हूँ।"

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5402]-412

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र 14

(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का उल्लेख करते हुए उनमें से प्राकृत भाषा का परिचय दीजिए।

2. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण स्पष्ट कर ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ लिखिए।

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षेप में परिचय दीजिए।

4. हिंदी के शब्द-भंडार के वर्गीकरण को विशद कीजिए।

5. हिंदी में प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय, उपसर्ग तथा समास का सोदाहरण परिचय दीजिए।

6. हिंदी के विविध रूपों की संक्षेप में जानकारी दीजिए।

7. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवमं सुधारों पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वैदिक संस्कृत

(ख) राष्ट्रभाषा

(ग) समास

(घ) ब्रजभाषा।

Total No. of Questions—7] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5402]-413

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-15 : विशेषस्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) प्रश्न क्र. 1 से 5 तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*iii*) प्रश्न क्र. 6 तथा 7 अनिवार्य हैं।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास को स्पष्ट करते हुए उपन्यासकार प्रेमचंद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. भारतेंदुपूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय देते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

3. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास स्पष्ट कीजिए।

4. भारतेंदुयुगीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

5. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) ब्राह्मो समाज का हिंदी गद्य के विकास में योगदान

(*ii*) प्रेमचंद युग की कहानियों का परिचय दीजिए

(*iii*) निबंधकार आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(*iv*) प्रगतिवादी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

(*v*) छायावाद की सीमाएँ

(*vi*) कवि मुक्तिबोध

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(*i*) द्विवेदीयुगीन हिंदी गद्य साहित्य की सामान्य विशेषताएँ लिखिए।

(*ii*) हिंदी आलोचना के विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(*iii*) भारतेंदु के नाटकों की प्रमुख **दो** विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी का परिचय दीजिए।

(*v*) धूमिल के काव्य का परिचय दीजिए।

(*vi*) प्रयोगवादी काव्यधारा की **दो** विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(*i*) 'भारत दुर्दशा' किसकी रचना है ?

(*ii*) 'प्रिय प्रवास' किस कवि की रचना है ?

(*iii*) प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन हैं ?

(*iv*) एक मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार का नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5402]-414

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2018
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— **निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**
(क) भारतीय साहित्य
(ख) लोक साहित्य
(ग) हिंदी पत्रकारिता

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी साहित्य में व्यक्त भारतीय मूल्यों का विवेचन कीजिए।

3. वर्तमान भारतीय साहित्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. 'अधूरे मनुष्य' कृति के आधार पर भारतीयता की संकल्पना स्पष्ट कीजिए।

5. 'हयवदन' नाटक भारतीय सामाजिक चेतना जगाता है' स्पष्ट कीजिए।

6. ''भारत की सभी भाषाओं के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का स्वर मिलता है।'' इस कथन की सार्थकता को सिद्ध कीजिए।

7. '1084 वें की माँ' उपन्यास की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) भारतीयता और समाजशास्त्र
(ख) भारतीय साहित्य में मूल्य
(ग) 'हयवदन' नाटक का उद्देश्य
(घ) '1084 वें की माँ' उपन्यास का कथ्य।

[5402]-414

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. लोक साहित्य की परिभाषाएँ देकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. लोक साहित्य का नैतिक और धार्मिक महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. लोक साहित्य का इतिहास मनोविज्ञान तथा धर्मशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

4. लोक साहित्य के संकलन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न पद्धतियों को समझाइये।

5. लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए किसी **एक** प्रसिद्ध लोकगाथा का परिचय दीजिए।

6. लोककथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

7. रस परिपाक और अलंकार-योजना की दृष्टि से लोक साहित्य का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोकनाट्य का स्वरूप

(ख) लोकगीत के प्रेरणा स्रोत

(ग) मुहावरे और कहावतें

(घ) लोककथा में अभिप्राय का महत्व।

[5402]-414

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

2. विश्व पत्रकारिता के उदय पर प्रकाश डालिए।

3. समाचार-पत्रों के विविध स्तंभों की योजना पर प्रकाश डालिए।

4. संपादन कला को स्पष्ट करते हुए समाचार के विभिन्न स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

5. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति पर प्रकाश डालिए।

6. मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

7. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारत में पत्रकारिता का आरंभ

(ख) सूचनाधिकार

(ग) रिपोर्ताज लेखन की प्रविधि

(घ) समाचार-पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया।